शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
परिपत्रक

विषय - वर्ष २०१८ साठी संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उडिया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु, शास्त्रीय मल्याळम भाषेच्या विद्वानांसाठी राष्ट्रपती सन्मान प्रमाणपत्र पुरस्कार आणि महर्षि बादरायण व्यास सन्मान प्रदान करण्यासाठी प्रस्ताव सादर करण्याबाबत.

महोदय / महोदया,

अवर सचिव, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षण विभाग, नवी दिल्ली यांनी संदर्भ क्र.फ.११-१/२०१८-संस्कृत-११, दि.२३ फेब्रुवारी, २०१८ च्या पत्रान्वये वर्ष २०१८ साठी राष्ट्रपती सन्मान प्रमाणपत्र पुरस्कार आणि महर्षि बादरायण व्यास सन्मान प्रदान करण्यासाठी शिफारशी करण्याची मागणी केली आहे. संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उडिया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु, शास्त्रीय मल्याळम भाषेतील ज्या प्रतिष्ठित विद्वानांना शैक्षणिक अनुभव आहे आणि ज्यांचे साहित्य प्रकाशित झाले आहे अशा विद्वानांची प्रकाशित पुस्तके/लेख यांची संख्या, त्यांचे शोधकार्य तसेच सदर भाषांच्या संवर्धनासाठी केलेले अध्ययन याबाबींचा शिफारस करताना विचार केला जाणार आहे. सदरच्या शिफारशी ३० एप्रिल, २०१८ पर्यंत मंत्रालयात पाठविणे आवश्यक आहे. सदर भाषांसाठी योगदान दिलेल्या ६० वर्षांपेक्षा जास्त वय असलेल्या पात्र विद्वानांना राष्ट्रपती सन्मान प्रमाण-पत्र पुरस्कार देण्यात येतो तर ३० ते ४५ वर्षांच्या तरुण विद्वानांना महर्षि बादरायण व्यास सन्मान प्रदान केला जातो. सबब, ज्या विद्वानांची उपरोक्त पुरस्कारांसाठी कोणाला शिफारस करावयाची असेल त्यांनी या अनुषंगाने उपरोक्त पत्रात नमुद केल्यानुसार विहित कागदपत्रांसह दि.१५/०४/२०१८ रोजी पर्यंत विद्यापीठ कार्यालयात खोली क्र.१२१ येथे प्रस्ताव सादर करावेत. पात्र प्रस्ताव शिफारशीसह मंत्रालयाकडे पाठविण्यात येतील.

कळावे,

आपला विश्वासू,

उपकुलसचिव

संदर्भ क्र.: संलग्नता टी-२/ No 2976

दि. 3 APR 2018

SHIVAJI UNIVERSITY
Vice-Chancellor's Office
Date 14 MAR 2018
Inward No. 716
To Whom Registrar

SHIVAJI UNIVERSITY.
Registrar's Office.
Date 14 MAR 2018
Inward No. 716
To Whom Seminar

फ.स.11–1/2018–संस्कृत–।।
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांकः 23 फरवरी, 2018

सेवा में,

1. भारत सरकार के सभी सचिव।
2. सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।
3. सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिव।
4. सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/सम–विश्वविद्यालयों के कुलपति।
5. सम्मान प्रमाण–पत्र प्राप्त करने वाले सभी व्यक्ति ।
6. आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और ओडिशा राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपति

विषयः **वर्ष 2018 हेतु** संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलगु, शास्त्रीय मलायलम भाषा के विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण–पत्र पुरस्कार और इन्हीं शाषाओं में युवा विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करने के संबंध में **सिफारिशें।**

महोदय,

संस्कृत, अरबी और फारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मान प्रदान करने के लिए सम्मान प्रमाणपत्र पुरस्कार योजना को शुरू किया गया था। इस योजना में पाली/पाकृत को शामिल कर 1996 में इसका विस्तार किया गया था। संस्कृत, अरबी, फारसी या पाली/प्राकृत भाषाओं के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रख्यात विद्वानों को सम्मान प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। इस योजना में विद्वानों को 5,00,000/– रूपये के एक बारगी मौद्रिक अनुदान की परिकल्पना की गई है। इस योजना में पाली या प्राकृत भाषा के एक विद्वान को उस वर्ष के लिए एक सम्मान प्रमाण पत्र देना शामिल है। इसके अलावा, इस योजना में संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी और फारसी भाषा के क्षेत्र में 30 से 45 आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करने का भी प्रावधान है। यह पुरस्कार भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है तथा इसमें प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्ता को 1.00 लाख रूपए की एक बारगी राशि के साथ एक सनद और एक शाल प्रदान किया जाता है। तथापि, वर्ष 2016 से पाली और प्राकृत (प्रत्येक के लिए एक) के विद्वानों को सम्मान प्रमाण पत्र श्रेणी और महर्षि बादरायण व्यास सम्मान दोनों के तहत अलग पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

2. इसके अलावा, गृह मंत्रालय (नोडल मंत्रालय) के अनुमोदन से इस वर्ष से चार शास्त्रीय भाषाओं अर्थात शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम में 32 पुरस्कारों (प्रत्येक के लिए आठ) की शुरुआत की गई है। इस प्रस्ताव को भारत के माननीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति द्वारा भी अनुमोदित कर दिया गया है।

५. अतः निम्नलिखित के लिए नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र. सं.	भाशा	पुरस्कार विवरण
1.	संस्कृत (कुल 21)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 15 पुरस्कार (ख) **सम्मान प्रमाण पत्र** – प्रवासी भारतीय या गैर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए 5.00 लाख रूपए एक बारगी नगद अनुदान का 01 अंतराष्ट्रीय पुरस्कार (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 01 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 5 पुरस्कार
2	पाली (कुल 2)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार (ख) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार
3	प्राकृत (कुल 2)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार (ख) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार
4	फारसी (कुल 4)	(क) **सम्मान प्रेमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 3 पुरस्कार (ख) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार
5	अरबी (कुल 4)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 3 पुरस्कार (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 1 पुरस्कार
6	शास्त्रीय कन्नड (कुल 8)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 15 पुरस्कार (ख) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 2 अंतराष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक–एक) (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 5 पुरस्कार

7	शास्त्रीय तेलगु (कुल 8)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 15 पुरस्कार (ख) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 2 अंतराष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक–एक) (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 5 पुरस्कार
8	शास्त्रीय मलयालम (कुल 8)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 15 पुरस्कार (ख) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 2 अंतराष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक–एक) (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 5 पुरस्कार
9	शास्त्रीय उडिया (कुल 8)	(क) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान के 15 पुरस्कार (ख) **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रूपए एक बारगी नकद अनुदान का 2 अंतराष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक–एक) (ग) **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रूपए के एक बारगी नकद अनुदान के 5 पुरस्कार

4. तद्नुसार आपसे अनुरोध है कि संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम के केवल उन्ही प्रतिष्ठित विद्वानों के नामों की सिफारिश करें जिनके पास शिक्षण अनुभव हो, उनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हों, प्रकाशित पुस्तकों/लेखों की संख्या, अनुसंधान कार्य तथा जिन्होंने परंपरागत संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलायलम के अध्ययन को जीवंत बनाए रखा हो।

5. इन शास्त्रीय भाषाओं के तहत विचार करने के लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि पुरस्कार के लिए आवेदनकर्ता ने भाषाओं के शास्त्रीय पाठों और भाषा के शास्त्रीय चरण के विषय में कार्य किया हो, चाहे वह उत्कृष्ट कार्य भाषा के आधुनिक रूप में ही हुआ हो।

6. महर्षि बादरायण व्यास सम्मान हेतु विद्वानों के नामों की सिफारिश करते समय उन्हीं युवा विद्वानों की सिफारिश करें जिन्होंने अंतरविषयक अध्ययनों में उपलब्धि हासिल की है, जिनमें आधुनिकता एवं परम्परा के बीच तालमेल बिठाने की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय बुद्धिजीवियों और इन भाषाओं में विज्ञान को बढ़ावा देने के कार्य में लगे वैज्ञानिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों का योगदान शामिल है।

7. सिफारिशों में उस विशिष्ट उपलब्धि का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए जिसके लिए पुरस्कार की सिफारिश की जाती है और इसे विद्वान के **'चरित्र एवं पूर्ववृत प्रमाण पत्र'** के साथ संलग्न प्रपत्र में **30 अप्रैल, 2018** तक मंत्रालय को भेज देना चाहिए। अधूरी सिफारिशों और अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सिफारिशों पर विचार करना संभव नहीं होगा। सिफारिशें करते समय, पुरस्कार प्राप्तकर्ता के सर्वोत्तम प्रकाशित कार्यों की पांच (अधिकतम) प्रतियों के साथ सभी प्रकाशित कार्य की विस्तृत सूची भी अवश्य अग्रेषित की जाए, ऐसा न करने पर पुरस्कार के लिए नामांकन की उपयुक्तता का पता लगाना संभव नहीं होगा।

8. पुरस्कार प्रदान करने के लिए अनुशंसित विद्वानों से संबंधित जानकारी संलग्न प्रपत्र में प्रस्तुत करें। विस्तृत जानकारी के अभाव में इन सिफारिशों पर समुचित विचार करने में कठिनाई आती है। अतः अनुरोध है कि प्रपत्र के प्रत्येक कॉलम में विस्तृत विवरण भरकर भेजें।

9. यह भी अनुरोध है कि अनुशंसा करने से पूर्व, राज्य सरकार आदि इस प्रयोजनार्थ उन व्यक्तियों से संबंधित जानकारी का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें। राज्यों द्वारा विद्वानों के प्रारंभिक चयनार्थ विशेषज्ञ समिति का गठन करने पर आपत्ति नहीं हो। यदि पुरस्कार के लिए सिफारिशों के योग्य कोई उपयुक्त विद्वान नहीं पाया जाता तो 'शून्य' सूचना भेजने की कृपा करें। उन विद्वानों के नाम जिनकी सिफारिश पिछले वर्ष की गई थी परन्तु उनका चयन नहीं हुआ था, उन्हें इस वर्ष के पुरस्कार के लिए पुनः अनुशंसित किया जा सकता है।

10. इन पुरस्कारों के लिए विद्वानों की अनुशंसा करते समय इस बात पर बल दिया जाए कि पुरस्कार केवल उन्हीं विद्वानों के लिए है जिन्हें अपनी-अपनी भाषाओं और संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में निपुणता हासिल है और ये पुरस्कार उन व्यक्तियों के लिए नहीं हैं जिन्हें इन भाषाओं में उपलब्ध साहित्य का अल्पज्ञान है।

11. यह भी अनुरोध है कि जहां कहीं आवश्यक हो वहां अनुशंसा से पूर्व विश्वविद्यालयों/साहित्यिक तथा अन्य स्वैच्छिक संगठनों आदि से गुप्त रूप से परामर्श भी कर लिया जाए।

12. यह पुरस्कार उन विद्वानों को नहीं दिए जाते जिन्होंने यह पुरस्कार पहले प्राप्त किया हो; या मरणोपरांत नहीं दिए जाते; या उन व्यक्तियों को नहीं दिए जाते जिन्हें न्यायालय द्वारा आपराधिक मामले में दोशी करार दिया गया हो या उनके विरुद्ध न्यायालय में आपराधिक मामला लंबित हो। अतः सरकार को होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए उस किसी भी घटना, जो नामिति को पुरस्कार के लिए अयोग्य ठहराती है, के बारे में तत्काल सरकार को सूचित करें और इस प्रकार की घटनाओं की सूचना देने का एकमात्र दायित्व नामांकनकर्ता का होगा।

13. अनुशंसा करने वाले प्राधिकारियों से विशेष रूप से अनुरोध है कि व्यक्तिगत रूप से विद्वानों के आवेदन पत्रों अथवा अनुरोधों पर विचार न करें और इस प्रकार इस पुरस्कार की गोपनीयता तथा गरिमा बनाए रखें। संबंधित विद्वानों के बारे में संपूर्ण जानकारी/ब्यौरा अन्य स्रोतों से सावधानीपूर्वक पूछताछ करके इस प्रकार एकत्र की जाए ताकि विद्वान इस बात से अनभिज्ञ रहें कि उनके नाम की अनुशंसा की जा रही है। अनुशंसा के साथ विद्वानों द्वारा स्वयं प्रस्तुत की गई सामग्री पर न तो विचार करना चाहिए और न ही उसे अनुशंसा के साथ भेजा जाना चाहिए। विद्वानों द्वारा अपने बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी को छुपाना उनके लिए अहितकर होगा और इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

भवदीय,

वी. श्रीपति

(वी. श्रीपति)

अवर सचिव, भारत सरकार

दूरभाषः 011-23072112

संलग्नकः यथोक्त

प्रतिलिपि निम्नलिखित को भी प्रेषितः

1. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

2. निदेशक, 17–बी, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, अरबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली–16

3. निदेशक, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्, फरोग–ए– उर्दू भवन, एफ सी–33/9, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जसौला, नई दिल्ली–110025.

4. निदेशक, एन.आई.पी.ई.ए. एन0सी0ई0आर0टी0 परिसर, श्री अरबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली

5. निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, ए–5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली–16

6. निदेशक, साहित्य अकादमी, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली

7. निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मानस गंगोत्री, हुनसर रोड, मैसूर–570006.

8. अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाब्दावली आयोग, वेस्ट ब्लॉक सं.VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली–110066

9. निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, वेस्ट ब्लॉक सं. VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली–110066

10. निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हिन्दी संस्थान मार्ग, आगरा–282005

11. निदेशक, केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल भाषा संस्थान, एलएमवी भवन, 100 फुटा रोड़ तारामणि, चेन्नई–600113

12. निदेशक, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद , नई दिल्ली

13. सचिव, महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्यापीठ प्रतिष्ठान, उज्जैन, म.प्र.

14. रजिस्ट्रार, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

15. रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति

16. रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली

वी श्रीपति

(वी. श्रीपति)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाषः 011–23072112

सिफारिशों को प्राप्त करने की अंतिम तिथिः 30.04.2018

वर्ष 2018 के लिए राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करने के लिए सिफारिश करने हेतु प्रपत्र

संस्तुत पुरस्कार *(कृपया निशान लगाएं)*

I	सम्मान प्रमाण पत्र (60 वर्ष और इससे अधिक आयु के विद्वानों हेतु)	
	महर्षि बादरायण व्यास सम्मान (30 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवा विद्वानों हेतु)	

वह क्षेत्र जिसके लिए सिफारिश की गई है (कृपया निशान लगाएँ)

II	संस्कृत		पाली/प्राकृत		अरबी		फारसी	
	शास्त्रीय उड़िया		शास्त्रीय मलयालम		शास्त्रीय कन्नड़		शास्त्रीय तेलगु	

III	पुरस्कार प्रदान करने की सिफारिश करने वाले प्राधिकारी का नाम (बड़े अक्षरों में)	
	यदि सिफारिश करने वाला प्राधिकारी सम्मान प्रमाण–पत्र से पुरस्कृत है, उस वर्ष का उल्लेख करें जिसमें उसे पुरस्कार प्राप्त हुआ	
	सिफारिश करने वाले प्राधिकारी का पदनाम	
	मोबाइल नं. और ई–मेल सहित पूरा स्थायी पता	

वर्ष 2018 के लिए सिफारिश
(पुरस्कार हेतु सिफारिश किए गए व्यक्ति का ब्यौरा)

1.	पूरा नाम (अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)	:	
	पूरा नाम (हिन्दी में)		
2.	पूरा स्थायी पता	:	
3.	I) जन्म तिथि II) आयु	:	दिन | माह | वर्ष वर्ष | माह

4.	(क) अर्हताओं सहित विश्वविद्यालय का नाम, वर्ष और श्रेणी/डिवीजन	:	
	(ख) उस संगठन जिसमें सेवा की है, के ब्यौरे सहित, धारित पद और सेवा की अवधि और अनुभव	:	
	(ग) विशेषज्ञता का विषय	:	
	परम्परागत विद्वानों के लिए (जहां लागू हो)	:	
	(क) स्थान तथा अध्ययन की अवधि तथा गुरूओं के नाम	:	
	(ख) उच्चतर अध्ययन जिनमें परम्परागत विद्वानों ने विशेषज्ञता प्राप्त की हो	:	
	(ग) उन छात्रों की संख्या जिन्होंने उनसे शिक्षा प्राप्त की तथा उन्हें किस स्तर तक पढ़ाया गया	:	
	(घ) डिग्री/डिप्लोमा यदि कोई हो तथा परीक्षा आयोजित करने वाले निकाय का नाम तथा वर्ष	:	
5.	(क) अध्ययन की शाखाऐं (ख) विकृत पाठ में विशेषज्ञता (ग) क्या भाष्य का अध्ययन किया है? यदि हां, तो उत्तीर्ण की गई परीक्षा।	:	
6.	प्रकाशित पुस्तकें/लेख (क) लिखित (ख) सम्पादित (ग) अनूदित कृपया विषय/भाषा का उल्लेख करें।	:	
7.	छात्रों/शोध विद्वानों की संख्या जिन्होंने आपके मार्गदर्शन में पीएच.डी/डी. लिट आदि प्राप्त किया	:	
8.	पहले से प्राप्त (i) मान्यता/सम्मान मान्यता/ सम्मान का नाम (ii) वर्ष (iii)प्रदान करने वाले प्राधिकरण/संगठन का नाम	:	
9.	संबंधित भाषा को लोकप्रिय बनाने में विशेष योगदान का ब्यौरा	:	

10.	सम्मेलन / कवि सम्मेलन / वाद- विवाद / विद्वत सभा जिनमें भाग लिया हो, यदि कोई हो(स्थान, तिथि तथा आयोजक का ब्यौरा और प्रस्तुत किए गए शोध पत्र)	:	
11. #	अंतर विषयक अध्ययनों में कोई उपलब्धि अथवा किया गया कार्य जिसके तहत आधुनिकता तथा परम्परा के बीच तालमेल बिठाने की प्रकिया में संस्कृत/फारसी/ अरबी/पाली/प्राकृत अथवा शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम अथवा प्राचीन भारतीय ज्ञान में योगदान शामिल है।	:	
12.	विद्वानों को पुरस्कार प्रदान करने के लिए अनुशंसित करने का यदि कोई विशेष कारण/विस्तृत औचित्य हो तो, बताएं	:	

मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि श्री/श्रीमती/कुमारी .... को पहले

पुरस्कार प्रदान नहीं किया गया है जिसके लिए मैं उनके नाम की सिफारिश कर रहा हूं।

.....

(पुरस्कार प्रदान करने की सिफारिश करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर)

नामिति की सर्वोत्तम 5 पुस्तकें/प्रकाशन (अधिकतम) संलग्न होने चाहिए अन्यथा सिफारिश पर विचार नहीं किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के उपरान्त पुस्तकें/प्रकाशन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा लौटा दी जायेंगी।

#इस कॉलम को विशेष रूप से बादरायण व्यास सम्मान के लिए संस्तुत विद्वानों और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान पृष्ठभूमि वाले अन्य विद्वानों के लिए भरा जाना है।

चरित्र तथा पूर्ववृत्त प्रमाणपत्र

मैं, ...सुपुत्र/सुपुत्री श्री.....
.....निवासी.....
.....के
सिफारिशकर्ता की हैसियत से (यदि सिफारिश करने वाले प्राधिकारी को पूर्व सम्मान प्रमाण–पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ है तो पुरस्कार वर्ष का उल्लेख करें) एतदद्वारा पुष्टि करता हूँ/करती हूँ कि मैं, श्री .....
..... सुपुत्र/सुपुत्री.....
निवासी.....
...को पिछले .....वर्षो से जानता/जानती हूँ तथा उनका नैतिक चरित्र अच्छा है। उनके विरूद्ध किसी कानूनी न्यायालय में कोई मामला लम्बित नहीं है और विगत में उन्हें कभी भी दोषी करार/दंडित नहीं दिया गया है।

मैं एततद्वारा यह शपथ लेता हूं कि भविष्य में होने वाली ऐसी कोई घटना जो नामिति को पुरस्कार के लिए अयोग्य ठहराती है, की सरकार को सूचना दूंगा।

( )
सिफारिश करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम .....
.....
.....

स्थानः
तिथिः

SHIVAJI UNIVERSITY
Vice Chancellor's Office
Date 14 MAR 2018
Inward No. 719
To Whom Registrar

F.No. 11-1/2018-Skt.II
Government of India
Ministry of Human Resource Development
Department of Higher Education

Shastri Bhavan, New Delhi,
Dated the 23rd Feb., 2018

To

1) All Secretaries of Government of India.
2) The Chief Secretaries of all State Governments/UTs.
3) The Education Secretaries of all the State Governments/UTs.
4) The Vice Chancellors of all India Universities/ Deemed to be Universities.
5) All Awardees of Certificate of Honour.
6) All Vice Chancellors of the State Universities in A.P. , Karnataka, Kerala and Odisha.

Subject : The Presidential Award of Certificate of Honour to Sanskrit, Pali, Prakrit, Arabic, Persian, Classical Oriya, Classical Kannada, Classical Telugu and Classical Malayalam Scholars and Maharshi Badrayan Vyas Samman for young scholars in the same fields – **Recommendations for the year 2018.**

Sir,

A scheme for the Award of the Certificates of Honours was introduced in the year 1958 to honour the scholars of Sanskrit, Arabic and Persian Languages. The scheme was extended to cover Pali/Prakrit in year 1996. Certificate of Honour is awarded to Scholars of eminence over 60 years of age with outstanding contribution in the field of Sanskrit, Arabic, Persian or Pali/Prakrit. This scheme envisages a onetime monetary grant of Rs.5,00,000/- to the Scholars. This Scheme included one award of Certificate of Honour to one Scholar of either of Pali or Prakrit for a year. In addition to this, the Scheme also provides for Maharshi Badrayan Vyas Samman for young scholars in the age group of 30 to 45 years in the field of Sanskrit, Pali/Prakrit, Arabic and Persian This award carries an amount of Rs.1.00 lakh as one-time payment to each Awardee along with a Sanad and a shawl, which is presented by Hon'ble President of India. However, from the year 2016, it has been decided to give separate awards to scholars of Pali & Prakrit (one each) both under Category of Certificate of Honour & Maharshi Badrayan Vyas Samman.

2. In addition to this, 32 more awards in Four Classical Languages (8 each) namely Classical Oriya, Classical Kannada, Classical Telugu and Classical Malayalam are introduced from this year onwards with the approval of Ministry of Home Affairs (the Nodal Ministry). This proposal has also received approval of Hon'ble Prime Minister and the Hon'ble President of India.

SHIVAJI UNIVERSITY,
Registrar's Office.
Date 14 MAR 2018
Inward No. 719
To Whom PG Adm

Recd 13/3/18
13.3.18
Ph.D.
14/3
Pl. put up.
15/3

Nominations are, therefore, invited for the following: -

S.No.	Language	Award Particular
1.	Sanskrit (Total 21)	i) **Certificate of Honour-** 15 Awards carrying one-time cash grant of Rs.5.00 lakh each ii) **Certificate of Honour-** 1 International Award for non-resident Indian or persons of non- Indian origin carrying a one time cash grant of Rs.5.00 lakh iii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-** 5 Awards carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh each
2.	Pali (Total 2)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-**1 Award carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh.
3.	Prakrit (Total 2)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-**1 Award carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh.
4.	Persian (Total 4)	i) **Certificate of Honour-** 3 Awards carrying a cash grant of Rs.5.00 lakh each ii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-**1 Award carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh.
5.	Arabic (Total 4)	i) **Certificate of Honour-** 3 Awards carrying a cash grant of Rs.5.00 lakh each ii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-**1 Award carrying a one time cash grant of Rs. 1.00 lakh
6.	Classical Kannada (Total 8)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying one-time cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Certificate of Honour-** 2 International Awards (one each for person of Indian and non-Indian Origin) carrying a one time cash grant of Rs.5.00 lakh each iii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-** 5 Awards carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh each
7.	Classical Telugu (Total 8)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying one-time cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Certificate of Honour-** 2 International Awards (one each for person of Indian and non-Indian Origin) carrying a one time cash grant of Rs.5.00 lakh each iii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-** 5 Awards carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh each
8.	Classical Malayalam (Total 8)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying one-time cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Certificate of Honour-** 2 International Awards (one each for person of Indian and non-Indian Origin) carrying a one time cash grant of Rs.5.00 lakh each iii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-** 5 Awards carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh each
9.	Classical Oriya (Total 8)	i) **Certificate of Honour-** 1 Award carrying one-time cash grant of Rs.5.00 lakh ii) **Certificate of Honour-** 2 International Awards (one each for person of Indian and non-Indian Origin) carrying a one time cash grant of Rs.5.00 lakh each iii) **Maharshi Badarayan Vyas Samman-** 5 Awards carrying a one time cash grant of Rs.1.00 lakh each

4. You are accordingly requested to recommend the names of only those Scholars of eminence in the field of Sanskrit, Pali, Prakrit, Arabic, Persian, Classical Oriya, Classical Kannada, Classical Telugu and Classical Malayalam studies for these awards in the enclosed proforma for recommendation, who have teaching experience, published works – number of books / articles published, research work and have kept the traditional Sanskrit, Pali, Prakrit, Arabic, Persian, Classical Oriya, Classical Kannada, Classical Telugu and Classical Malayalam studies alive.

5. It may also be ensured that for consideration under these Classical Languages, the nominee must have worked in Classical texts of languages and about classical phase of the language, even though the resulted works might be in modern form of language.

6. Recommendations for Maharshi Badrayan Vyas Samman may be made only for those young Scholars who have made a breakthrough in inter-disciplinary studies involving contribution of Sanskrit or ancient Indian wisdom, to the process of synergy between modernity & tradition and Scientist & I.T professional working for promotion of science in these languages.

7. The recommendations should clearly bring out the specific achievement for which the Award is recommended and may please be sent **along with character & antecedent certificate** of the scholar in the proforma enclosed, to the Ministry latest by **30th April, 2018**. Incomplete recommendations and the recommendations received after the last date will not be considered. While sending recommendations, copies of best five (maximum) published works of the nominee along with detailed list of his all published work must be forwarded in the absence of which it will not be possible to assess the suitability of the nomination for the Award.

8. Particulars in respect of the scholars recommended for the award may be furnished in the attached proforma. In the absence of full details, it becomes difficult to give due consideration to the recommendations. It is, therefore, requested that full particulars may kindly be furnished against each column of the proforma.

9. It is also requested that while making the recommendations, State Governments, etc. may assess the particulars of the individuals carefully for this purpose. There is no objection to their setting up an Expert Committee for Preliminary Selection of Scholars. In case there is no suitable scholar worthy of recommendations for the award, "NIL' information may please be sent. Names of those scholars who were recommended in previous years but were not selected can be considered again for the award for this year.

10. While recommending the names for the Awards, it may be stressed that awards are meant for scholars who are proficient in the respective languages and the respective fields of specialization and not those with just a smattering knowledge of the literature available in these languages.

11. It is requested that where considered necessary, Universities / Literary and other Voluntary Organizations etc. may also be consulted confidentially before making the recommendation.

12. These Awards are not awarded to those scholars who received this award earlier; or not awarded posthumously; or not awarded to persons who have been convicted by a court in a criminal case or against whom any criminal case is pending in a court. Therefore, to avoid any embarrassment to the Government occurrence of any event making the nominee ineligible for the Award must be reported immediately to the Govt. and it will be the sole responsibility of the person sending the nomination to report such event.

13. The recommending authorities are requested to maintain complete secrecy and dignity of this award by not entertaining any application or request from individual scholars themselves. Discreet enquiries may be made for collecting full information/details about the concerned scholar from other sources, since they are not supposed to know that their name was being recommended. No material furnished by the Scholar himself should be entertained or sent along with the recommendation. Canvassing of any sort on the part of the scholar will be against his own interest and shall be viewed seriously.

Yours faithfully,

Encl : As above.

(V. SRIPATHI)
Under Secretary to the Govt. of India
☎ : 011 23072112

Copy for information to : -

1) The Chairman, University Grants Commission, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.
2) Director, 17-B, N.C.E.R.T., Sri Aurobindo Marg, New Delhi-16.
3) Director, National Council for Promotion of Urdu Language, Farogh-e-Urdu Bhawan, FC-33/9, Institutional Area, Jasola, New Delhi- 110025
4) Vice Chancellor, N.I.E.P.A., NCERT complex, Sri Aurobindo Marg, New Delhi.
5) Director, National Book Trust, A-5, Green Park, New Delhi-16.
6) Director, Sahitya Academy, 35, Ferozshah Road, New Delhi.
7) The Director, Central Institute of Indian Language, Manasagangotri, Mysore - 570006
8) The Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, West Block No. VII, R.K. Puram, New Delhi – 110066
9) The Director, Central Hindi Directorate, West Block No. VII, R.K. Puram, New Delhi – 110066
10) The Director, Kendriya Hindi Sansthan, Hindi Sansthan Marg, Agra - 282005.
11) The Director, Central Institute of Classical Tamil, LMV Building, 100 Feet Road, Taramani, Chennai – 600113
12) The Director, National Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi
13) The Secretary, Maharishi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan, Ujjain, MP
14) The Registrar, Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi
15) The Registrar, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati
16) The Registrar, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Janakpuri, New Delhi

(V. SRIPATHI)
Under Secretary to the Govt. of India
☎ : 011 23072112

-/-

LAST DATE FOR RECEIPT OF RECOMMENDATIONS : 30.04.2018

PROFORMA FOR RECOMMENDATION FOR PRESIDENTIAL AWARD OF CERTIFICATE OF HONOUR AND MAHARISHI BADRAYAN VYAS SAMMAN FOR THE YEAR- 2018

AWARD RECOMMENDED (Please tick mark)

I	**Certificate of Honour (for scholars aged 60 years and above)**	
	Maharishi Badrayan Vyas Samman (for young scholars between 30 to 45 years of age)	

FIELD FOR WHICH RECOMMENDED (Please tick mark)

II	**Sanskrit**		**Pali**		**Prakrit**		**Arabic**		**Persian**			
	Classical Oriya		**Classical Malayalam**		**Classical Kannada**		**Classical Telugu**					

III	**Full Name of the recommending Authority (in block letters).**	
	In case the recommending authority is an Awardee of Certificate of Honour, mention the year in which he/she got the award.	
	Designation of Recommending Authority.	
	Full Permanent Address with Mob.no. and email.	

RECOMMENDATION FOR THE YEAR 2018

(PARTICULAS OF PERSON RECOMMENDED FOR AWARD)

1.	**Full Name (in English in block letters)**	:	
	Full Name (in Hindi script)	:	

177

2.	**Full Permanent Address**	:	
3.	**i) Date of Birth**	:	**D D M M . Y E A R**
	ii) Age		**YEARS** / **MONTH**
4.	**i) (a) Qualifications with the name of University, Year and Class / Division**	:	
	(b) Experience with details of organization served, post held and period served.		
	(c)Subject of specialization	:	
	<u>ii) FOR TRADITIONAL SCHOLARS</u> (Wherever applicable)		
	<u>(a)</u> Place and duration of study and names of Gurus.	:	
	(b)Higher texts in which the traditional Scholars specialized.	:	
	(c) Number of students who studied under him and the extent to which they were taught.	:	
	(d) Degrees/Diploma, if any with name of the examining body and year.		
5.	**(a) Shakhas studied** **(b) Vikrit Pathas specialised** **c) Whether studied Bhashya? If so, examination passed.**	:	
6.	**Books/publication** **(a) written** **(b) edited** **(c) translated** **indicating subject/language**	:	

7.	**Number of students/Research Scholars who received Ph.D/D.Litt. etc. under his guidance**	:	
8.	**Recognition/honours already received,** **i) Title of the recognition/ honour,** **ii) year and** **iii) the conferring authority/organization**	:	
9.	Special contribution towards **popularization of language concerned with details**		
10.	**Conferences / Poetic Symposia/debates/Vidwat Sabha attended if any** **(Indicate place, date and details of the organizers & research papers presented)**	:	
#11.	**Breakthrough made or work done in inter-disciplinary studies involving contribution of Sanskrit/ Persian/ Arabic/Pali/ Prakrit or Classical Languages of Classical Kannada/ Classical Telugu Classical Malayalam/ Classical Oriya or ancient Indian wisdom to the process of synergy between modernity and tradition**		
12	**Please state the special reasons/detailed justification for recommending the scholar for the award.**	:	

I also certify that Shri/Smt./Kum.....has not been awarded the .....earlier for which I am recommending his/her name.

Signature of the recommending Authority

Copy of the best five (maximum) Book/Publications by the nominee must be enclosed; otherwise the recommendation shall not be entertained. After the selection process is completed, the same will be returned by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.

This column has to be filled in specifically in respect of scholars recommended for Maharshi Badryan Vyas Samman and other scholars with IT and Science background.

CHARACTER & ANTECEDENT CERTIFICATE

I _____ s/o,d/o_____ resident of _____, capacity of (in case the recommending authority is a previous awardee of Certificate of Honour, the year of Award maybe indicated), do hereby confirm that Shri _____ s/o, d/o of Shri _____ _____resident of_____ is known to me for the last _____ years and that he /she bears a good moral character. He/she has no case pending against him/her in any Court of Law and that he/she has never been prosecuted/ convicted in the past.

I also do hereby undertake to intimates the Govt. Forthwith occurrence of any event that will make the nominee ineligible for the Award.

(_____)

Signature of recommending Authority

Designation:_____

Seal_____

_____

Place:

Date: